थविनोददीर्घयामा

कथं नु रात्रिर्गमियतव्या ॥ ४॥

कश्रुकी। जागम्य। जयतु जयतु देवः। देवी विज्ञापयति मणिहर्म्यपृष्ठे सुदर्शनश्चन्द्रः। तत्र संनिहितेन देवेन प्रतिपालियतुमिच्छामि यावद्रोहिणीसंयोग इति।

5

राजा। आर्य लातव्य विज्ञाप्यतां देवी यस्ते छन्द इति। कश्चिती। यदाज्ञापयति देवः।

[इति निष्कान्तः |

राजा। वयस्य कि परमार्थत एव देव्या व्रतनिमित्तोयमारम्भः स्यात्।

विदू । भी तक्कीम जादपञ्चादावा तत्तमोदी वदावदेसेण भवदी पणि- 10

पादलक्षणं पमित्रिजदुकामेति ।

१ भोः तर्कयामि जातपश्चात्तापा तत्रभवती व्रतापदेशन भवतः प्रिणिपातलक्षनं प्रमार्ष्ट्रकामोति।

1. N.N2.यस्या विनोददीर्घा for the third pâda.

3. A.N.N2. B.P. जगमृत्य.—G. B. do not repeat जयत्.—A.K. insert देव before देवा. N.N2. om. मणि o

4-5. From तत्र G. reads thus:
तत्र संनिहितेन प्रतिपाळयति देवा त्वा
देवेन यावचन्द्रशिहणीसंबन्धः. U.तत्र
संनिहितेन देवेन देवा प्रतिपाळायित्रव्या
यावचन्द्रशिहणीयोगः. A.तत्र संनिहितेन त्वा सह प्रतिपाळायित्रमिच्छामि
यावद्रोहिणीसंयोग इति. K.तत्र संनिहितेन देवा प्रतिपाळायित्रव्या देवेन यावचन्द्रशिहणीसंयोगः. P. agrees
with us except that it reads
भवता for देवेन. G. is somewhat confused.—B.शिहणीसंयो-

गश्चन्द्रमस इति.

- 6. B.P. om. आर्य. P. om. आर्य लाज्य. K.G.U.सत्यकीर्ते for ला-लाज्य. W.विज्ञापय्यतां. G. om. देवी. U. om. इति.
- 7. For यदाज्ञापयाति देव हाति A.N. N2.G.K. read तथा.
- 9. K. om. वयस्य.N.N2.पुन:, and A. नु, after किं.—G.प्रतिनिवृत्तः for वतनिमित्तः. N.N2. om. स्थात्. 10-11.K.G.U.om.भी.—G.जात °.G. K. जादबच्छा °, P.B.N.N2.जादप-चां?.U.संजादपछादावा भत्तभोदी व्वदा-वदेसेण तथ्यभवदो प्रणिवादळङ्कणं प्र. °. A.B.P. °होदी.—A.N.N2.तत्तहोदो.—G.तत्तभवदो, and K.तत्तभथ-दो, for भवदो.—P.A.N.N2.पण-

बाद °.-А.पमब्जदु °, N.N2.पम-